

## उत्तर प्रदेश में बनेंगे सुपर स्टेट हाईवे

### चर्चा में क्यों

13 जून, 2023 को उत्तर प्रदेश के पीडब्ल्यूडी मंत्री जतिनि प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में बढ़ते ट्रैफिक को देखते हुए सुपर स्टेट हाईवे (एसएसएच) बनाए जाएंगे। इसके लिये यूपी पीडब्ल्यूडी और एनएचएआई के बीच शीघ्र ही एमओयू किये जाने की तैयारी है।

### प्रमुख बिंदु

- मंत्री जतिनि प्रसाद ने बताया कि वर्तमान में नई सड़कों को नेशनल हाईवे का दर्जा दिये जाने पर रोक है। इसलिये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार एसएसएच विकसित करने का फैसला किया गया है। इसके लिये केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नतिनि गडकरी की भी सहमति मलि चुकी है।
- ये परियोजनाएँ भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की मदद से नरिमति की जाएंगी। ट्रैफिक को देखते हुए इनकी कुल चौड़ाई 4-6 लेन होगी। सुपर स्टेट हाईवे पर टोल भी लिया जाएगा।
- इससे होने वाली आय का एक हिससा ग्रामीण मार्गों के विकास पर खर्च होगा। यानी, इस योजना के लागू होने पर ग्रामीण सड़कों के लिये भी पर्याप्त राशि उपलब्ध हो सकेगी। इस योजना में पहले चरण में 1000-1500 कमी. स्टेट हाईवे शामिल किये जाएंगे।
- पीडब्ल्यूडी विभागाध्यक्ष को निर्देश दिये गए हैं कि वे उन स्टेट हाईवे को चहिनति करें, जनिहें एसएसएच का दर्जा दिया जा सकता है। ट्रैफिक के लहियाज से इन सड़कों को दो श्रेणियों में बांटा जाएगा। एक, जहाँ पीसीयू (पैसेंजर कार यूनिट) 20-30 हजार के बीच है और दो, जहाँ पीसीयू 30 हजार से ज्यादा है।
- राज्य सरकार जमीन उपलब्ध कराने के साथ ही यूटिलिटी शफिटिंग और सड़कों को अतिक्रमण मुक्त करने की जमिमेदारी उठाएगी। वहीं एनएचएआई इनहें हैम (हाईब्रिड एनयुटी मॉडल) या ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट, कंसटरकशन) मोड में नरिमाण का इंतजाम करेगा। हैम मोड में कुल लागत का 40 फीसदी एनएचएआई देता है, जबकि ईपीसी में पूरी लागत एनएचएआई ही देता है।
- नरिमाण के बाद 25 साल तक यह सड़क एनएचएआई के पास ही रहेगी और उसके बाद इसे उत्तर प्रदेश सरकार के लिये हैंडओवर कर दिया जाएगा। शुरुआती 25 साल एनएचएआई टोल वसूलेगा।
- एमओयू के अनुसार, जरूरी सेवा और वतितीय चार्ज काटने के बाद जो राशि बचेगी, उसे यूपी पीडब्ल्यूडी के खाते में जमा किया जाएगा। इस राशि का इस्तेमाल केवल राज्य की ग्रामीण सड़कों के विकास पर हो सकेगा।
- गौरतलब है कि प्रदेश में पीडब्ल्यूडी का 276042 कमी. लंबा सड़क नेटवर्क है। इनमें 10901 कमी. स्टेट हाईवे, 6749 कमी. प्रमुख जिला मार्ग (एमडीआर), 54244 कमी. अन्य जिला मार्ग (ओडीआर) और 204148 कमी. ग्रामीण मार्ग हैं। एसएसएच व्यवस्था लागू होने से पीडब्ल्यूडी अपने संसाधनों से दो लाख कमी. से ज्यादा ग्रामीण मार्गों के लिये आवश्यक बजट का काफी हिससे का इंतजाम कर सकेगी।



//

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/super-state-highway-will-be-built-in-uttar-pradesh>

